Department : HINDI		
Academic Year : 2022-23		
Sr. No.	**Programme Code**	**Name of the Programme**
01.	HIPDLD1	MA HINDI

Following students have carried out their Project work/ Internship/ Field Project/Industrial Training for the academic session 2022-23

Si.No.	**Name of the Students**	**Page No ……. To ……..**
	ANSHU GGV/21/00301	2 to 4
	SAVITRI KOL GGV/21/00302	5 to 7
	SONIYA MARAVI GGV/21/00303	8 to 10
	SONU NAIK GGV/21/00304	11 to 13
	TANUJA SONWANI GGV/21/00305	14 to 16
	ALKA GARHEWAL GGV/18/0017	17 to 19
	MANISHA GANDHARV GGV/18/0104	20 to 22
	RAMKUMARI GGV/18/8228	23 to 25

अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hind
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.)

Signature and Seal of the Head

"नगाड़े की तरह बजते शब्द" में स्त्री चेतना

एम. ए. हिन्दी (चतुर्थ सेमेस्टर) के चतुर्थ प्रश्न-पत्र की प्रतिपूर्ति हेतु प्रस्तुत

लघु शोध-प्रबंध

सत्र : 2022-23

मार्गदर्शक
डॉ. अनीश कुमार
सहायक प्राध्यापक, हिन्दी विभाग
गु.घा.वि.वि., बिलासपुर

विभागाध्यक्ष
डॉ. गौरी त्रिपाठी
सह-प्राध्यापक, हिन्दी विभाग
गु.घा.वि.वि., बिलासपुर

प्रस्तुतकर्ता
अंशु
एम. ए. उत्तरार्द्ध, हिन्दी विभाग
ना. सं.- GGV/21/00301

हिंदी विभाग
कला विद्यापीठ
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम, 2009 कंडिका 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
बिलासपुर, छत्तीसगढ़, भारत

अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hind
गुरू घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.)

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur – 495009 (C.G.)

प्रमाण-पत्र

यह प्रमाणित किया जाता है कि अंशु ने मेरे मार्गदर्शन में **"नगाड़े की तरह बजते शब्द में स्त्री चेतना"** विषय पर अपना लघु-शोध-प्रबंध पूरा किया है। यह लघु-शोध विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत घोषणा-पत्र के अनुसार उसके द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित तथा उनका मौलिक कार्य है। जिसमें विश्वविद्यालय के शोध-संबंधी सभी नियमों का पालन किया गया है।

मैं इसे मूल्यांकन हेतु प्रेषित किये जाने की संस्तुति करता हूँ

स्थान : हिन्दी विभाग, बिलासपुर
दिनांक 07/08/2023

मार्गदर्शक
डॉ. अनीश कुमार
हिन्दी विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर

अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hind
गुरू घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.)

विषयानुक्रमणिका

	पृष्ठ संख्या
घोषणा पत्र	i
प्रमाण पत्र	ii
आभार	iii
भूमिका	iv-vii
अध्याय एक : आदिवासी : अर्थ व स्वरूप	1-14
1.1 आदिवासी का अर्थ व परिभाषा	
1.2 आदिवासी समाज का सामान्य परिचय	
1.3 आदिवासी साहित्य का सामान्य परिचय	
अध्याय दो : हिंदी साहित्य में विमर्श : सामान्य परिचय	15-29
2.1 आदिवासी विमर्श	
2.2 स्त्री-विमर्श	
2.3 दलित विमर्श	
अध्याय तीन : निर्मला पुतुल की कविताओं में स्त्री	30-42
3.1 आदिवासी स्त्री	
3.2 भारतीय स्त्री	
3.3 आदिवासी सौंदर्यबोध	
अध्याय चार : निर्मला पुतुल की कविताओं में समाज	43-57
4.1 आदिवासी अस्मिता	
4.2 समाज में स्त्री और स्त्री का समाज	
4.3 संस्कृति में स्त्री	
अध्याय पाँच : निर्मला पुतुल की कविताओं की भाषा	58-66
5.1 भाषा का स्वरूप	
5.2 शैली	
5.3 भाषा का स्त्री पक्ष	
उपसंहार	67-69
संदर्भ-सूची	70-72

अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hind
गुरू घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.)

बघेली लोकगीतों का अनुशीलन

एम. ए. हिन्दी (चतुर्थ सेमेस्टर) के चतुर्थ प्रश्न-पत्र की प्रतिपूर्ति हेतु प्रस्तुत

लघु शोध-प्रबंध

सत्र : 2022-23

मार्गदर्शक
डॉ. मुरली मनोहर सिंह
सहायक प्राध्यापक, हिन्दी विभाग
गु.घा.वि.वि., बिलासपुर

विभागाध्यक्ष
डॉ. गौरी त्रिपाठी
सह-प्राध्यापक, हिन्दी विभाग
गु.घा.वि.वि., बिलासपुर

प्रस्तुतकर्ता
सावित्री कोल
एम. ए. उत्तरार्द्ध, हिन्दी विभाग
ना. सं.- GGV/21/00302
रोल न.21005105

हिंदी विभाग
कला विद्यापीठ
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम, 2009 कंडिका 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
बिलासपुर, छत्तीसगढ़, भारत

अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hind
गुरू घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.)

प्रमाण–पत्र

यह प्रमाणित किया जाता है कि सावित्री कोल ने मेरे मार्गदर्शन में बघेली लोकगीतों का अनुशीलन विषय पर अपना लघु–शोध प्रबंध पूरा किया है। यह लघु–शोध विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत घोषणा पत्र के अनुसार उसके द्वारा उसके द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित तथा उनका मौलिक कार्य है। जिसमें विश्वविद्यालय के शोध संबंधी सभी नियमों का पालन किया गया है।

मै इसे मूल्यांकन हेतु प्रेषित किय जाने की संस्तुति करता हूँ।

स्थान : **बिलासपुर**

दिनांक : 14/08/23

शोध मार्गदर्शक
श्री मुरली मनोहर सिंह
सहायक प्राध्यापक
हिन्दी विभाग
गुरू घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hind
गुरू घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.)

अनुक्रमणिका

	पृष्ठ संख्या
घोषणा-पत्र	i
प्रमाण-पत्र	ii
आभार	iii
भूमिका	iv-v
प्रथम अध्यायः लोक एवं गीत	1-4
1.1 प्रस्तावना	
1.2 लोक साहित्य का अर्थ एवं परिभाषा	
1.3 लोक एवं गीत का अंतर संबंध	
द्वितीय अध्यायः बघेलखण्ड का ऐतिहासिक भौगोलिक परिदृष्य	5-9
2.1 बघेलखण्ड का सामान्य जनजीवन	
2.2 बघेलखण्ड की सामाजिक संरचना	
2.3 बघेलखण्ड का ऐतिहासिक परिदृष्य	
तृतीय अध्यायः बघेली लोकगीत	10-36
3.1 बघेली लोकगीत के प्रकार	
3.2 लोकगीतों की विशेषताएँ	
उपसंहार	37
संदर्भ ग्रन्थ सूची	38-40

अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hind
गुरू घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.)

अन्या से अनन्या में अभिव्यक्त
स्त्री चेतना के स्वर

एम. ए. हिन्दी (चतुर्थ सेमेस्टर) के चतुर्थ प्रश्न-पत्र की प्रतिपूर्ति हेतु प्रस्तुत

लघु शोध-प्रबंध

सत्र : 2022-23

मार्गदर्शक
डॉ. अतुल कुमार
सहायक प्राध्यापक, हिन्दी विभाग
गु.घा.वि.वि., बिलासपुर

विभागाध्यक्ष
डॉ. गौरी त्रिपाठी
सह-प्राध्यापक, हिन्दी विभाग
गु.घा.वि.वि., बिलासपुर

प्रस्तुतकर्ता
सोनिया मरावी
एम. ए. उत्तरार्द्ध, हिन्दी विभाग
ना. सं.- GGV/21/00303

हिंदी विभाग
कला विद्यापीठ
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम, 2009 कंडिका 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
बिलासपुर, छत्तीसगढ़, भारत

अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hind
गुरू घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.)

प्रमाण-पत्र

यह प्रमाणित किया जाता है कि सोनिया मरावी ने मेरे मार्गदर्शन में 'अन्या से अनन्या में अभिव्यक्त स्त्री चेतना के स्वर' विषय पर अपना लघु-शोध प्रबंध पूरा किया है। यह लघु-शोध विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत घोषणा-पत्र के अनुसार उसके द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित तथा उनका मौलिक कार्य है, जिसमें विश्वविद्यालय के शोध संबंधी सभी नियमों का पालन किया गया है।

मैं इसे मूल्यांकन हेतु प्रेषित किये जाने की संस्तुति करता हूं।

स्थान :-बिलासपुर

दिनांक :- 14/08/2023

मार्गदर्शक अतुल 14.08.2023

डॉ. अतुल कुमार

सहायक प्राध्यापक (हिन्दी विभाग)

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर (छ.ग.)

ii

अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hind
गुरू घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.)

अनुक्रमणिका

	पृष्ठ संख्या
घोषणा-पत्र	i
प्रमाण-पत्र	ii
आभार	iii
भूमिका	iv-v
प्रथम अध्याय :- आत्मकथा का अर्थ एवं स्वरूप	1-9
द्वितीय अध्याय - हिन्दी साहित्य में आत्मकथा	10-22
तृतीय अध्याय - विमर्श में आत्मकथा	23-31
चतुर्थ अध्याय - हिन्दी साहित्य में स्त्री लेखन की स्थिति	32-39
पंचम अध्याय - स्त्री विमर्श और अन्या से अनन्या	40-47
उपसंहार	48
संदर्भ ग्रंथ सूची	49-50

अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hind
गुरू घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.)

'ग्लोबल गाँव के देवता' में आदिवासी अस्मिता का स्वरूप और विश्लेषण

एम. ए. हिन्दी (चतुर्थ सेमेस्टर) के चतुर्थ प्रश्न-पत्र की प्रतिपूर्ति हेतु प्रस्तुत

लघु शोध-प्रबंध

सत्र : 2022-23

शोध-मार्गदर्शक
डॉ. गौरी त्रिपाठी
एसोसिएट प्रोफेसर
हिन्दी विभाग, गु.घा.वि.वि., बिलासपुर

विभागाध्यक्ष
डॉ. गौरी त्रिपाठी
हिन्दी विभाग
गु.घा.वि.वि., बिलासपुर

Sonu Naik
प्रस्तुतकर्ता
सोनु नायक
एम. ए. चतुर्थ सेमेस्टर
ना. क्र. - GGV/21/00304

हिन्दी विभाग

कला अध्ययनशाला

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय

(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम, 2009, क्रमांक 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर (छ.ग.)

अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hind
गुरू घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.)

प्रमाण-पत्र

यह प्रमाणित किया जाता है कि **सोनु नायक** ने मेरे मार्गदर्शन में **"'ग्लोबल गाँव के देवता' में आदिवासी अस्मिता का स्वरूप और विश्लेषण"** विषय पर अपना लघु शोध-प्रबंध पूरा किया है। यह लघु शोध-प्रबंध विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत घोषणा पत्र के अनुसार उसके द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित मौलिक कार्य है। जिसमें विश्वविद्यालय के शोध-संबंधी सभी नियमों का पालन किया गया है।

मैं इसे मूल्यांकन हेतु प्रेषित किये जाने की संस्तुति करती हूँ।

स्थान : बिलासपुर

दिनांक: 08/08/2023

शोध-मार्गदर्शक

डॉ. गौरी त्रिपाठी
एसोसिएट प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
हिन्दी विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर

अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hind
गुरू घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.)

अनुक्रमणिका

घोषणा पत्र	i
प्रमाण पत्र	ii
आभार	iii
भूमिका	iv- vii
प्रथम अध्याय : आदिवासी साहित्य का सामान्य परिचय	01- 12
1.1 आदिवासी : अर्थ, स्वरूप	
1.2 आदिवासी साहित्य : सामान्य परिचय	
1.3 रणेन्द्र का साहित्य	
द्वितीय अध्याय : आदिवासी विमर्श	13- 24
2.1 आदिवासी जीवन और समाज	
2.2 आदिवासी संस्कृति	
2.3 आदिवासी परिवेश	
तृतीय अध्याय : 'ग्लोबल गाँव के देवता' और आदिवासी अस्मिता	25- 37
3.1 आदिवासी अस्मिता	
3.2 लोक-संस्कृति	
3.3 आदिवासी स्त्री	
चतुर्थ अध्याय : भाषा एवं शिल्प योजना	38- 48
4.1 भाषा	
4.2 शिल्प विधान	
4.3 संवाद योजना	
उपसंहार	49- 52
संदर्भ-सूची	53- 54

अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hind
गुरू घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.)

प्रेमचंद की स्त्री केन्द्रित कहानियों में स्त्री चेतना

एम. ए. हिन्दी (चतुर्थ सेमेस्टर) के चतुर्थ प्रश्न-पत्र की प्रतिपूर्ति हेतु प्रस्तुत

लघु शोध-प्रबंध

सत्र : 2022-23

मार्गदर्शक
डॉ. रमेश कुमार गोहे
सहायक प्राध्यापक
हिन्दी विभाग, गु.घा.वि.वि.,बिलासपुर

विभागाध्यक्ष
डॉ. गौरी त्रिपाठी
सह-प्राध्यापक
हिन्दी विभाग, गु.घा.वि.वि.,बिलासपुर

Tanuja Sonwani
प्रस्तुतकर्ता
तनुजा सोनवानी
एम. ए. उत्तरार्द्ध, हिन्दी विभाग
ना. क्र.- GGV/21/00305

हिन्दी विभाग
कला अध्ययनशाला
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम, 2009, क्रमांक 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर (छ.ग.)

अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hind
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.)

प्रमाण-पत्र

यह प्रमाणित किया जाता है कि तनुजा सोनवानी ने मेरे मार्गदर्शन में **"प्रेमचंद की स्त्री केंद्रित कहानियों में स्त्री चेतना"** विषय पर अपना लघु शोध प्रबंध पूरा किया है। यह लघु शोध विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत घोषणा पत्र के अनुसार उसके द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित तथा उनका मौलिक कार्य है। जिसमें विश्वविद्यालय के शोध संबंधी सभी नियमों का पालन किया गया है।

मै इसे मूल्यांकन हेतु प्रेषित किये जाने की संस्तुति करता हूँ

स्थान : बिलासपुर

दिनांक: 14/08/2023

मार्गदर्शक

डॉ. रमेश कुमार गोहे

सहायक प्राध्यापक

हिंदी विभाग, गु.घा.वि.वि.,बिलासपुर

अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hind
गुरू घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.)

अनुक्रमणिका

घोषणा-पत्र	i
प्रमाण-पत्र	ii
आभार	iv
भूमिका	v
प्रथम अध्याय : प्रेमचंद का व्यक्तित्व और कृतित्व : सामान्य परिचय	1-11
1.1 व्यक्तित्व: सामान्य परिचय	
1.2 कृतित्व: सामान्य परिचय	
1.3 प्रेमचंद के स्त्री पात्र: सामान्य परिचय	
द्वितीय अध्याय : प्रेमचंद की स्त्री केन्द्रित कहानियों में स्त्री चेतना	12-29
2.1 भारतीय समाज में स्त्री	
2.2 परिवार में स्त्री	
2.3 स्त्रियों के विविध रूप	
2.4 पात्र चरित्र चित्रण	
तृतीय अध्याय : कहानियों का शिल्प और भाषिक योजना	30-39
3.1 शिल्प योजना	
3.2 भाषा: स्त्री के संदर्भ में	
3.3 संवाद योजना	
चतुर्थ अध्याय : उपसंहार	40-42
संदर्भ-सूची	43-44

अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hind
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.)

हजारीप्रसाद द्विवेदी के उपन्यासों में स्त्री चिंतन

एम. ए. हिन्दी (चतुर्थ सेमेस्टर) के चतुर्थ प्रश्न-पत्र की प्रतिपूर्ति हेतु प्रस्तुत

लघु-शोध-प्रबंध

सत्र : 2022-23

शोध-मार्गदर्शक
डॉ. लोकेश कुमार
सहायक प्राध्यापक,हिन्दी

विभागाध्यक्ष
डॉ.गौरी त्रिपाठी
सह प्राध्यापक,हिन्दी विभाग

अलका
प्रस्तुतकर्ता
अलका गढ़ेवाल
एम. ए. उत्तरार्द्ध, हिन्दी विभाग

हिन्दी विभाग
कला अध्ययनशाला
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम, 2009,क्रमांक 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर (छ.ग.)

1

अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hind
गुरू घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.)

प्रमाण पत्र

यह प्रमाणित किया जाता है कि अलका गढ़ेवाल ने मेरे मार्गदर्शन में **"हजारीप्रसाद द्विवेदी के उपन्यासों में स्त्री चिंतन "** विषय पर अपना लघु-शोध-प्रबंध पूरा किया है। यह लघु-शोधविद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत घोषणा-पत्र के अनुसार उसके द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित तथा उनका मौलिक कार्य है। जिसमें विश्वविद्यालय के शोध-संबंधी सभी नियमों का पालन किया गया है।

मैं इसे मूल्यांकन हेतु प्रेषित किये जाने की संस्तुति करता हूँ।

स्थान : बिलासपुर
दिनांक: 14/08/2023

शोध-मार्गदर्शक
डॉ. लोकेश कुमार
सहायक प्राध्यापक,हिन्दी विभाग

अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hind
गुरू घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.)

हजारीप्रसाद द्विवेदी के उपन्यासों में स्त्री चिंतन

- भूमिका

अध्याय – एक

हजारीप्रसाद द्विवेदी के उपन्यासों में नारी जीवन

1.1 चारु चंद्रलेख

1.2 पुनर्नवा

1.3 अनामदास का पोथा

अध्याय – दो

हजारीप्रसाद द्विवेदी के उपन्यासों में स्त्री समस्या

2.1 अपहरण की समस्या

2.2 विधवा समस्या

अध्याय – तीन

हजारीप्रसाद द्विवेदी के उपन्यासों में स्त्री चेतना

- उपसंहार

अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hind
गुरू घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.)

हिन्दी साहित्य में किन्नर विमर्श

स्नातकोत्तर (चतुर्थ सेमेस्टर) के चतुर्थ प्रश्न–पत्र की प्रतिपूर्ति हेतु प्रस्तुत

लघु शोध–प्रबंध

सत्र : 2022–23

शोध –मार्गदर्शक
डॉ. राजेश मिश्र
सहायक प्रध्यापक
हिन्दी विभाग

विभागाध्यक्ष
डॉ. गौरी त्रिपाठी
हिन्दी विभाग
गु.घा.वि.वि बिलासपुर

प्रस्तुतकर्ता
मनीषा गन्धर्व
स्नातकोत्तर चतुर्थ सेमेस्टर
गु.घा. वि.वि. बिलासपुर
ना.क्र.GGU / 18 / 0104
रोल नंबर 21005103

हिन्दी विभाग
कला अध्ययनशाला
गुरू घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009, कमांक 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
बिलासपुर,छत्तीसगढ़, भारत

अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hindi
गुरू घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.)

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur – 495009 (C.G.)

प्रमाण पत्र

यह प्रमाणित किया जाता है कि मनिषा गन्धर्व ने मेरे मार्गदर्शन में **"हिन्दी साहित्य में किन्नर विर्मश"** विषय पर अपना लघु–शोध प्रबंध पूरा किया है। यह लघु–शोध विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत घोषणा पत्र के अनुसार उसके द्वारा संबंधित तथ्यों पर आधारित तथा उनका मौलिक कार्य है। जिसमें विश्वविद्यालय के शोध संबंधी सभी नियमों का पालन किया गया है।

मैं इसे मूल्यांकन हेतु प्रेषित किय जाने की संस्तुति करता हूं।

स्थान :– बिलासपुर
दिनांक :– 14/8/2023

शोध मार्गदर्शक
डॉ. राजेश मिश्र 14/08/23
सहायक प्रध्यापक
हिन्दी विभाग
गुरू घासीदास विश्वविद्यालय,
बिलासपुर (छ.ग.)

अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hind
गुरू घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.)

अनुक्रमणिका

घोषणा–पत्र
प्रमाण–पत्र
आभार
भूमिका

- **अध्याय प्रथमः–** भूमण्डलीकरण के बाद के विमर्शः
  - 1.1 स्त्री विमर्श
  - 1.2 दलित विमर्श
  - 1.3 अदिवासी विमर्श
  - 1.4 किन्नर विमर्श

- अध्याय द्वितीयः– भारत में किन्नर
  - 2.1 संवैधानिक स्थिति
  - 2.2 सामाजिक स्थिति
  - 2.3 शैक्षिक स्थिति
  - 2.4 बदलाव

- अध्याय तृतीयः– किन्नर विमर्श
  - 3.1– अवधारणा
  - 3.2– क्रमिक विकास
  - 3.3– स्वानभूत और सहानुभूत के द्वन्द

- अध्याय चतुर्थः– साहित्य में किन्नर विमर्श के समाजिक आधार
  - 4.1 सम्बधित साहित्य और सिनेमा
  - 4.2 सुरक्षा की भावना (नाला सोपारा)
  - 4.3 रोजगार की समस्या
  - 4.4 अत्मसमान और अस्मिता के प्रश्न

- उपसंहार

संदर्भ सूची

अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hind
गुरू घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.)

अमृतलाल वेगड़ की नर्मदा-यात्रा

(संदर्भ : सौंदर्य की नदी नर्मदा)

स्नातकोत्तर हिंदी (चतुर्थ सेमेस्टर) के चतुर्थ प्रश्न-पत्र की प्रतिपूर्ति हेतु प्रस्तुत

लघु शोध-प्रबंध

सत्र : 2022-23

मार्गदर्शक
डॉ. अखिलेश गुप्ता
सहायक प्राध्यापक, हिंदी विभाग
गु.घा.वि.वि., बिलासपुर

विभागाध्यक्ष
डॉ. गौरी त्रिपाठी
सह-प्राध्यापक, हिंदी विभाग
गु.घा.वि.वि., बिलासपुर

प्रस्तुतकर्ता
रामकुमारी
एम. ए. उत्तरार्द्ध, हिंदी विभाग
ना. सं.- GGV/18/8228

हिंदी विभाग
कला विद्यापीठ
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम, 2009 कंडिका 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर (छ.ग.)

अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hind
गुरू घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.)

प्रमाण-पत्र

यह प्रमाणित किया जाता है कि **रामकुमारी** ने मेरे मार्गदर्शन में **"अमृतलाल वेगड़ की नर्मदा-यात्रा (संदर्भ : सौन्दर्य की नदी नर्मदा)"** विषय पर अपना लघु शोध-प्रबंध पूरा किया है। यह लघु शोध विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत घोषणा-पत्र के अनुसार उसके द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित है और उनका यह मौलिक कार्य है। जिसमें विश्वविद्यालय के शोध-संबंधी सभी नियमों का पालन किया गया है।

मैं इसे मूल्यांकन हेतु प्रेषित किये जाने की संस्तुति करता हूँ।

स्थान : हिंदी विभाग, बिलासपुर (छ.ग.)

दिनांक : 14-08-2023

मार्गदर्शक

डॉ. अखिलेश गुप्ता

हिंदी विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर

अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hind
गुरू घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.)

अनुक्रमणिका

घोषणा-पत्र	i
प्रमाण-पत्र	ii
आभार	iii
भूमिका	iv-v
अध्याय 1. अमृतलाल वेगड़ का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	1-6
अध्याय 2. यात्रा-वृत्तांत का संक्षिप्त परिचय	7-16
अध्याय 3. नर्मदा तट पर स्थित ग्राम्य जीवन-शैली	17-27
अध्याय 4. नर्मदा नदी का धार्मिक एवं भौगोलिक महत्त्व	28-34
अध्याय 5. अमृतलाल वेगड़ की दृष्टि में नर्मदा का सौंदर्य	35-39
अध्याय 6. उपसंहार	40-43
संदर्भ-सूची	44

(क) आधार-ग्रंथ

(ख) सहायक ग्रंथ

(ग) वेबसाइट लिंक

अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hind
गुरू घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.)